पावन जीवन चरित्र

श्रीश्रीमद् भक्ति दयित माधव गोस्वामी
महाराज जी का जीवन चरित्र

SGD

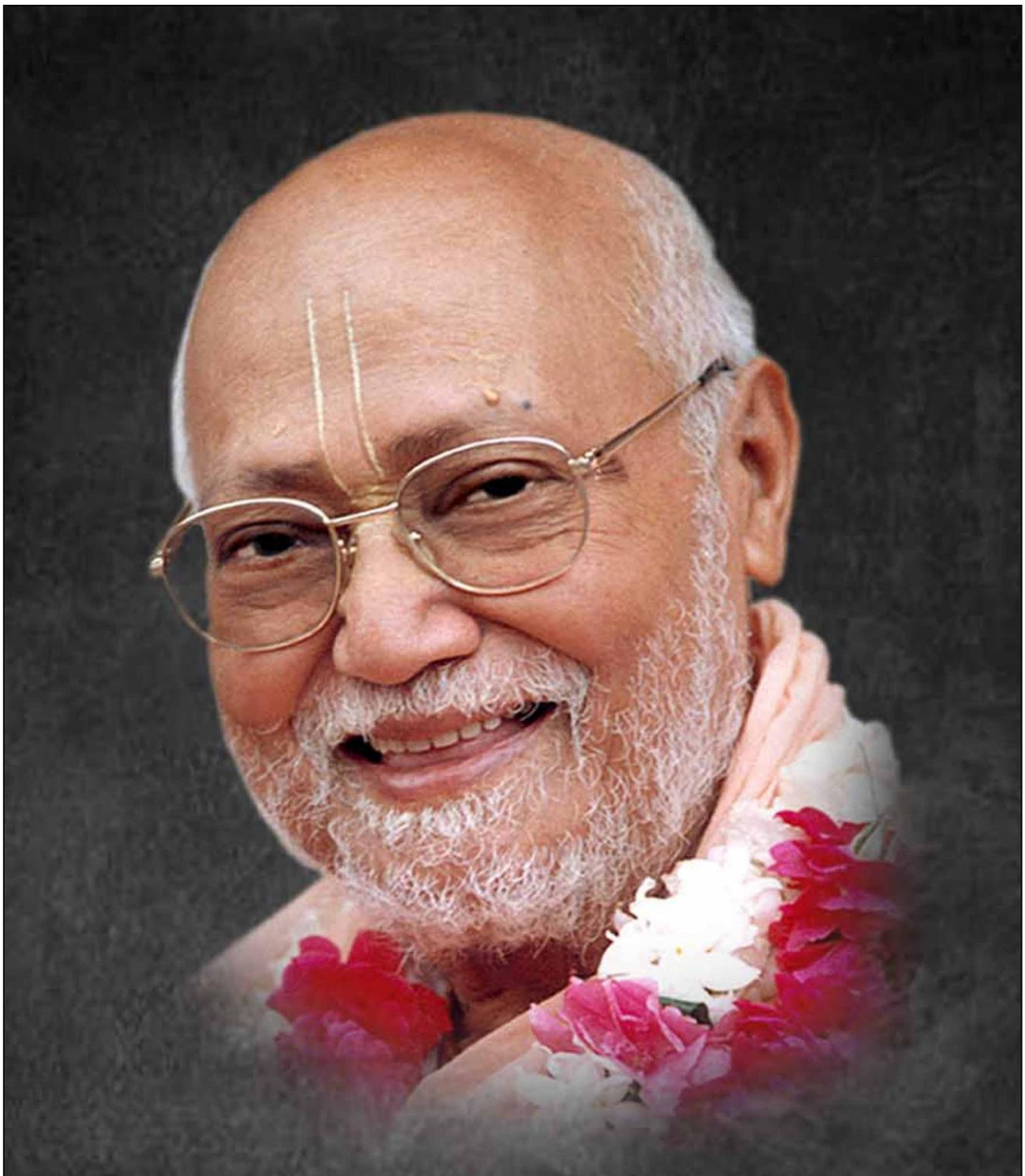

निखिल भारत श्रीचैतन्य गौड़ीय मठ
प्रतिष्ठान के प्रतिष्ठाता,
नित्यलीला प्रविष्ट ॐ 108
श्री श्रीमद् भक्ति दयित माधव गोस्वामी
महाराज विष्णुपाद जी के
प्रियतम शिष्य, त्रिदण्डिस्वामी
श्रीमद् भक्तिबल्लभ तीर्थ गोस्वामी महाराज
जी द्वारा सम्पादित

SGD

द्वितीय खण्ड

भाग – 58

पंजाब और हरियाणा की राजधानी चण्डीगढ़ में श्रील गुरुदेव जी का 23 मार्च 1969 रविवार से 6 अप्रैल रविवार तक सैक्टर 23 के श्रीसनातन धर्म मन्दिर में अवस्थान

प्रतिदिन प्रातः मन्दिर के हाल में और रात को खुले प्रांगण में विशाल मण्डप में विशेष धर्म सभा का आयोजन होता था। श्रील गुरुदेव जी से भगवत् तत्त्व, उसकी प्राप्ति के उपाय और साधन- भक्ति के विषय में तत्त्वज्ञानमय भाषण सुनकर समुपस्थित नर-नारियाँ श्रीमन्महाप्रभु जी की शिक्षा की ओर आकृष्ट हुये। श्रील गुरुदेव जी के निर्देश के अनुसार उनके

आश्रित दो त्रिदण्डि स्वामियों- श्रीमद्भक्ति बल्लभ तीर्थ महाराज और श्रीमद् भक्तिप्रसाद पुरी महाराज जी ने भी भाषण दिये।

श्रीसनातन धर्म सभा के प्रयास से 27 मार्च को साँय 4 बजे श्रीरामनवमी तिथि के उपलक्ष्य में बैंड बाजे एवं श्रीरामलीला स्मृति उद्दीपक नाना प्रकार से सजायी हुई झाँकियों के साथ श्रीगुरुदेव जी के अनुगमन में विराट् नगर- संकीर्त्तन- शोभायात्रा निकाली गयी। श्रीरामचन्द्र गोयल, श्री नन्द लाल जी, एडवोकेट श्री खेम्पटानिया जी, रीडर श्री सुखदेव राज बख्शी,

श्रीमुरली मनोहर जी, श्री देवदत्त सलवान जी, सनातन धर्म सभा मन्दिर के श्री द्वारका दास थापर जी इत्यादि स्थानीय विशिष्ट व्यक्तियों द्वारा आमन्त्रित करने पर श्रीगुरुदेव जी ने सब के निवास स्थानों पर शुभपदार्पण कर हरिकथा का परिवेशन किया। पंजाब गवर्नर के सैक्रेटरी, श्री के० के० मुखोपाध्याय, हाईकोर्ट के न्यायाधीश, श्री शमशेर सिंह इत्यादि विशिष्ट नागरिक श्रीसनातन धर्म मन्दिर में श्रील गुरुदेव जी के दर्शनों के लिये आये

एवं उनसे तत्त्वज्ञान से भरे उपदेश श्रवण कर प्रभावित हुये।

बरसी पठाना :- बरसी पठाना चण्डीगढ़ से 27 मील दूरी पर बसा हुआ है। बरसी पठाना के भक्तों के द्वारा विशेष रूप से आग्रह करने पर चण्डीगढ़-प्रचार प्रोग्राम में रुकावट डाले बिना चण्डीगढ़ अवस्थान के अन्तिम दिन दोपहर के समय श्रील गुरुदेव जी ने अपने पार्षदों के साथ वहाँ शुभपदार्पण किया और विशाल नगर-संकीर्त्तन - शोभायात्रा में योगदान दिया। बरसी पठाना के इतिहास में श्रीगौरांग महाप्रभु जी द्वारा प्रवर्तित इस नगर-

संकीर्त्तन का ये अनुष्ठान पहली बार किया गया था। भक्तों के द्वारा पुनः प्रार्थना करने पर श्रील गुरुदेव जी ने अगले दिन फिर दोपहर के समय वहाँ पहुँच कर विशाल सभामण्डप में हज़ारों नरनारियों की सभा में भाषण भी प्रदान किया था। श्रील गुरुदेव जी के निर्देशानुसार तीसरे दिन श्रीमद् भक्ति बल्लभ तीर्थ महाराज ने वहाँ पर जा कर भाषण दिया। श्रीमद् भक्ति बल्लभ तीर्थ महाराज जी का बस्सी पठाना के धनाढ्य व्यक्ति श्री रशपाल सिंह और डिग्री कालेज के प्रिन्सीपल के साथ मठ के प्रचार सम्बन्धी विषय

पर काफी वार्तालाप हुआ| वे सब श्रील गुरुदेव जी के व्यक्तित्व से विशेष रूप से आकर्षित हुये थे। चण्डीगढ़ में श्री धनञ्जयदासाधिकारी (श्री धर्मपाल सेखरी), श्री सुखेदव राज बख्शी और श्री राम प्रसाद जी - इन तीन गृहस्थ शिष्यों ने उस समय श्रीचैतन्य वाणी के प्रचार में मुख्य रूप से प्रयत्न किया था, जिससे ये श्रील गुरुदेव जी के प्रचुर आशीर्वाद के भाजन हुये थे।

श्रीलगुरुदेव